अध्याय - चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय – चतुर्थ
प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय - चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण

4.1 प्रस्तावना :-

शोधार्थी द्वारा सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची (डा. एस.पी. कुलश्रेष्ठ) शैक्षिक आकांक्षा स्तर मापनी (डा. एस.के. सक्सेना) तथा व्यवसायिक रूचि प्रपत्र (डा. एस.पी. कुलश्रेष्ठ) मानक उपकरणें का उपयोग प्रदत्त संकलन के लिए किया गया।

तत्पश्चात् आँकड़ों को सारणी में व्यवस्थित किया गया तथा मध्यमान मानक विचलन एवं टी. मूल्य निकालकर निष्कर्ष को प्राप्त किया एवं व्याख्या की गयी।

इसके अंतर्गत आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्र एवं छात्राओं को लिया गया तथा उन्हें शहरी एव ग्रामीण क्षेत्र के आधर पर वर्गीकृत किया गया तथा सामाजिक आर्थिक स्तर परिसूची शैक्षिक आकांक्षा स्तर मापनी तथा व्यवसायिक रूचि प्रपत्र के द्वारा न्यायदर्श लिए गए।

शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में आदिवासी तथा गैर आदिवासी छात्र, ग्रामीण एवं शहरी छात्र तथा छात्र एवं छात्राओं का तुलनात्मक अध्ययन किया गया उसी प्रकार व्यवसायिक रूचि के संदर्भ में विभिन्न व्यवसाय क्षेत्र जैसे साहित्यिक, वैज्ञानिक, क्रियात्मक, वाणिज्यिक, रचनात्मक, कलात्मक, कृषि सामाजिक गृह कार्य क्षेत्रों में आदिवासी गैर आदिवासी, ग्रामीण एवं शहरी तथा छात्र एवं छात्राओं की रूचि का तुलनात्मक अध्ययन किया गया तथा आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की ग्रामीण एवं शहरी आधार पर सामाजिक आर्थिक स्तर का तुलनात्मक अध्ययन किया गया।

परिकल्पना – 1

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.1

आदिवासी एवं गैर आदिवसी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	39.45	9.71	0.811664	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	39.83	9.16		

मुक्तांश – 144

0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक अंतर नही है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है परंतु मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा आदिवासी छात्रों से अधिक है।

28

परिकल्पना – 2

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में कोई सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.2

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	38.12	8.47	0.096052	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	40.70	9.88		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.02 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक अंतर नही है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है परंतु मध्यमान के अनुसार ग्रामीण छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा अधिक पाई गई।

29

परिकल्पना – 3

छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा में कोई सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.3

छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	41.12	7.96	0.058805	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	38.15	10.51		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.03 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षा में सार्थक अंतर नही है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है परंतु मध्यमान के अनुसार छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा अधिक है।

30

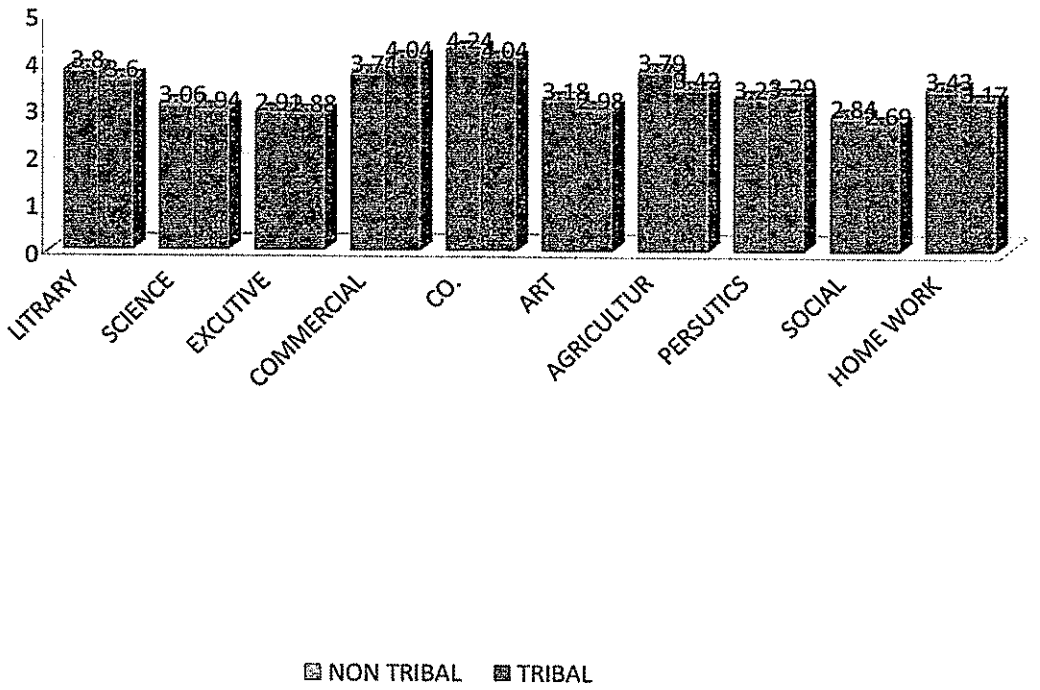

5
4
3
2
1
0
3.8
3.6
3.06
2.94
2.91
2.88
3.74
4.04
4.24
4.04
3.18
2.98
3.79
3.42
3.23
3.29
2.84
2.69
3.43
3.17
LITRARY
SCIENCE
EXCUTIVE
COMMERCIAL
CO.
ART
AGRICULTUR
PERSUTICS
SOCIAL
HOME WORK
NON TRIBAL
TRIBAL

परिकल्पना – 4

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की व्यवसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नही है।

उपपरिकल्पना 4.1

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की साहित्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 4.4

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की साहित्यिक व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	3.60	0.82	0.1769	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.80	0.90		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.04 = 2.61

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की साहित्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

उपपरिकल्पना 4.2

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में कोई सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.5

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	2.94	0.825	0.489	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.06	0.88		

मुक्तांश - 144 0.05 =1.98

0.05 =2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

33

उपपरिकल्पना 4.3

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.6

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	2.88	0.88	0.7228	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	2.91	0.97		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.06 = 2.61

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

३५

उपपरिकल्पना 4.4

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.7

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	404	3.74	0.523	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.74	0.89		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.07 = 2.61

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार आदिवासी छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि गैर आदिवासी छात्रों से अधिक है।

35

उपपरिकल्पना 4.5

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.8

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	4.04	0.83	0.267	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	4.24	0.84		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की रचनात्मक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की रचनात्मक व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

36

उपपरिकल्पना 4.6

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.9

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	2.99	0.78	0.3806	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.18	0.93		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की कलात्मक व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

37

उपपरिकल्पना 4.7

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.10

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	3.42	0.51	0.0045	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.78	0.95		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की कृषि व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

38

उपपरिकल्पना 4.8

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.11 ?

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	3.29	0.82	0.9249	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.23	0.97		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार आदिवासी छात्रों की अनुक्यात्मक व्यवसायिक रूचि गैर आदिवासी छात्रों से अधिक है।

39

उपपरिकल्पना 4.9

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.12

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	2.69	0.78	0.1837	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	2.84	1.08		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की सामाजिक व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों से अधिक है।

40

उपपरिकल्पना 4.10

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.13

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	आदिवासी	68	3.18	0.89	0.2042	सार्थक नहीं
2	गैर आदिवासी	78	3.43	1.06		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार गैर आदिवासी छात्रों की गृह कार्य व्यवसायिक रूचि आदिवासी छात्रों की अपेक्षा अधिक है।

41

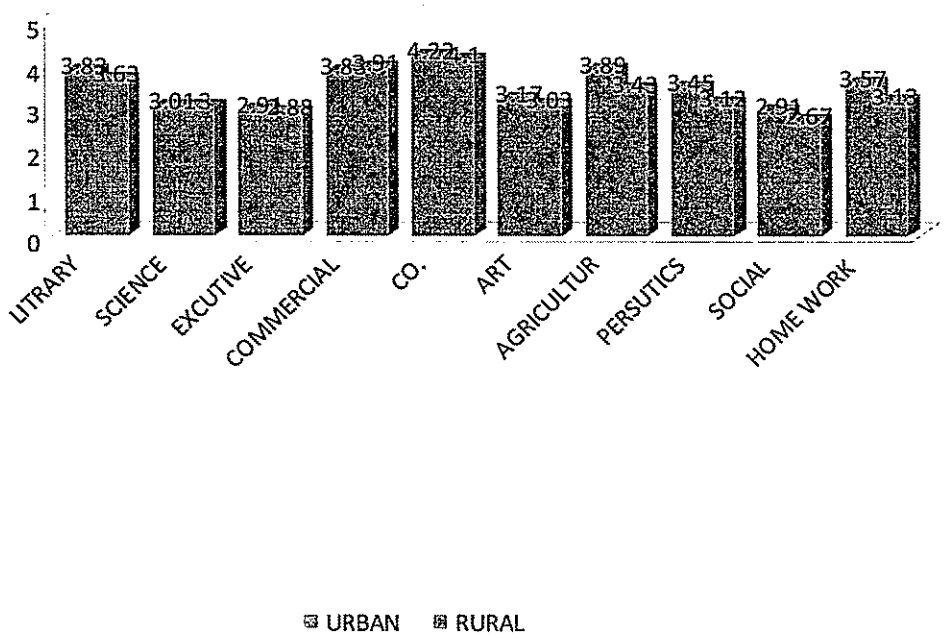
5
4
3
2
1
0
LITRARY
SCIENCE
EXCUTIVE
COMMERCIAL
CO.
ART
AGRICULTUR
PERSUTICS
SOCIAL
HOME WORK
URBAN
RURAL

42

परिकल्पना 5

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की साहित्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

उपपरिकल्पना 5.1

तालिका क्रमांक 4.14

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की साहित्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.83	0.90	0.1880	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.63	0.84		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की साहित्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की साहित्य व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों की अपेक्षा अधिक है।

43

उपपरिकल्पना 5.2

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.15

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.02	0.86	0.9073	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.00	0.86		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की वैज्ञानिक व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

44

उपपरिकल्पना 5.3

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.16

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	2.91	0.90	0.059	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	2.89	0.95		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की क्रियात्मक व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

45

उपपरिकल्पना 5.4

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.17

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.83	0.92	0.8150	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.91	3.33		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार ग्रामीण छात्रों की वाणिज्य व्यवसायिक रूचि शहरी छात्रों से अधिक है।

46

उपपरिकल्पना 5.5

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.18

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	4.22	0.82	0.4103	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	4.10	0.84		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की रचनात्मक व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

47

उपपरिकल्पना 5.6

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.19

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.17	0.95	0.3720	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.03	0.82		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की कलात्मक व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

48

उपपरिकल्पना 5.7

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.20

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.89	0.95	0.0043	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.43	0.90		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

49

उपपरिकल्पना 5.8

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.21

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.45	0.85	0.8904	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.13	0.91		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

50

उपपरिकल्पना 5.9

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.22

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	2.91	1.02	0.1556	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	2.67	0.89		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

51

उपपरिकल्पना 5.10

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही है।

तालिका क्रमांक 4.23

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	शहरी	59	3.58	1.02	0.0105	सार्थक नहीं
2	ग्रामीण	87	3.13	0.93		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

शहरी एवं ग्रामीण छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार शहरी छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि ग्रामीण छात्रों से अधिक है।

52

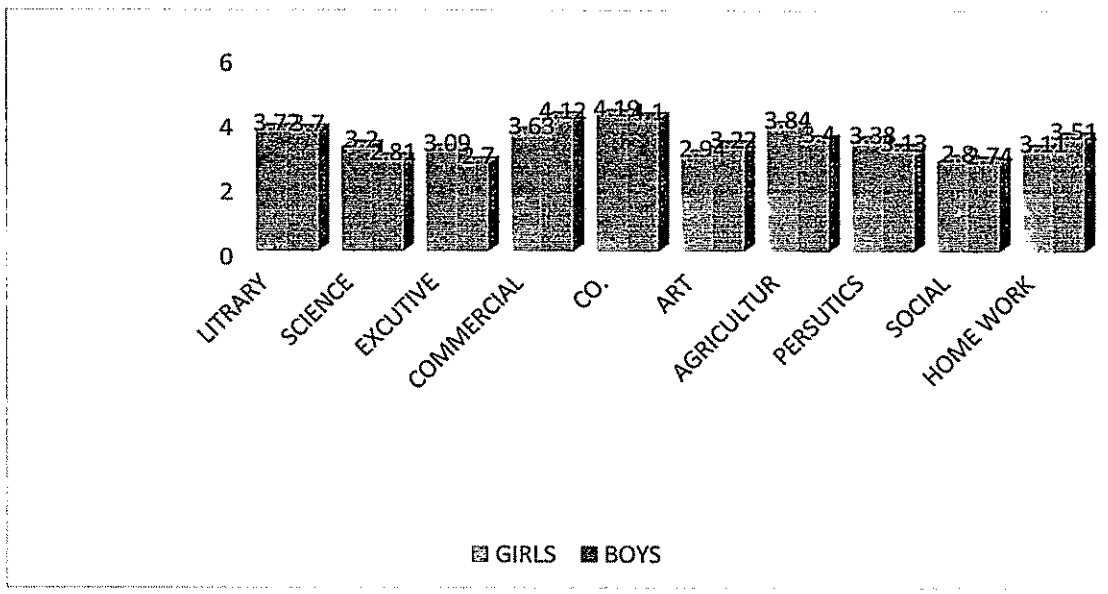
6
4
2
0
LITRARY
SCIENCE
EXCUTIVE
COMMERCIAL
CO.
ART
AGRICULTUR
PERSUTICS
SOCIAL
HOME WORK
GIRLS
BOYS

53

परिकल्पना – 6

छात्र एवं छात्राओं की व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

उपपरिकल्पना 6.1

छात्र एवं छात्राओं की साहित्यिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.24

छात्र एवं छात्राओं की साहित्यिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	3.70	0.94	0.8935	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.72	0.80		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की साहित्यिक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्राओं की साहित्यिक व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक है।

54

उपपरिकल्पना 6.2

छात्र एवं छात्राओं की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.25

छात्र एवं छात्राओं की वैज्ञानिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	2.81	0.79	0.0048	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.20	0.86		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की वैज्ञानिक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्राओं की वैज्ञानिक व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक है।

55

उपपरिकल्पना 6.3

छात्र एवं छात्राओं की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.26

छात्र एवं छात्राओं की क्रियात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	2.70	0.88		
2	छात्राएँ	72	3.09	0.94	0.01062	सार्थक नहीं

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की क्रियात्मक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्राओं की क्रियात्मक व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक है।

56

उपपरिकल्पना 6.4

छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.27

छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	4.12	3.60	0.2683	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.63	0.80		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की वाणिज्य व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्राओं की वाणिज्य व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक है।

57

उपपरिकल्पना 6.5

छात्र एवं छात्राओं की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.28

छात्र एवं छात्राओं की रचनात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	4.108	0.87	0.53	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	4.19	0.79		

मुक्तांश - 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की रचनात्मक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्रों की रचनात्मक व्यवसायिक रूचि छात्राओं से अधिक है।

50

उपपरिकल्पना 6.6

छात्र एवं छात्राओं की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.29

छात्र एवं छात्राओं की कलात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	3.22	0.83	0.50	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	2.94	0.90		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की कलात्मक व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अर्थात् शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है तथा मध्यमान के अनुसार छात्रों की कलात्मक व्यवसायिक रूचि छात्राओं से अधिक है।

59

उपपरिकल्पना 6.7

छात्र एवं छात्राओं की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.30

छात्र एवं छात्राओं की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	3.40	0.83	0.0049	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.84	0.98		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अर्थात् शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। मध्यमान के अनुसार छात्राओं की कृषि संबंधी व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक पाई गई।

60

उपपरिकल्पना 6.8

छात्र एवं छात्राओं की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.31

छात्र एवं छात्राओं की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	3.13	0.86	0.0917	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.38	0.84		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की अनुक्यात्मक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। मध्यमान के अनुसार छात्राओं की अनुक्यात्मक व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक पाई गई।

61

उपपरिकल्पना 6.9

छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.32

छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	2.743	1.0142	0.6958	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	2.80	0.8919		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। मध्यमान के अनुसार छात्राओं की सामाजिक संबंधी व्यवसायिक रूचि छात्रों से अधिक पाई गई। 62

उपपरिकल्पना 6.10

छात्र एवं छात्राओं की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नही होता है।

तालिका क्रमांक 4.33

छात्र एवं छात्राओं की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि

क्र.	छात्र	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
1	छात्र	74	3.5135	0.9620	0.01477	सार्थक नहीं
2	छात्राएँ	72	3.11	0.99		

मुक्तांश – 144 0.05 = 1.98

0.01 = 2.26

छात्र एवं छात्राओं की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक रूचि में सार्थक अंतर नहीं है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। मध्यमान के अनुसार छात्रों की गृह कार्य संबंधी व्यवसायिक छात्राओं से अधिक है।

63

7. परिकल्पना – 7

शहरी क्षेत्र के आदिवासी और गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्तर में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 4.34

शहरी क्षेत्र के आदिवासी और गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्तर

छात्र	सामाजिक आर्थिक स्तर	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
आदिवासी	उच्च	4	118.5	13.112	0.31	सार्थक नहीं
गैर आदिवासी	उच्च	8	109	8.24		
आदिवासी	मध्यम	32	76.46	12.27	0.7449	सार्थक नहीं
गैर आदिवासी	मध्यम	18	75.27	11.90		
आदिवासी	निम्न	15	41.53	10.09	0.01137	सार्थक नहीं
गैर आदिवासी	निम्न	10	49.8	3.57		

1. आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों के उच्च सामाजिक आर्थिक स्तर के लिए स्वतंत्रता की कोटि = 12–2 =10
   सार्थकता स्तर 0.05 = 2.23 तथा 0.01 = 3.12
   अतः दोनों स्तर पर सार्थक अंतर नहीं हैं अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।
2. मध्यम सामाजिक आर्थिक स्तर के लिए स्वतंत्रता के कोटि =50–2=48
   सार्थकता स्तर 0.09 =2.01, 0.01= 2.68
   अतः दोनों स्तर पर प्रेक्षित ही मान सारणी के 'टी' मान से कम है। अतः सार्थक अंतर नहीं है।
3. निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के लिए स्वतंत्रता की कोटि =25–2=23
   सार्थकता स्तर 0.05 =2.07, तथा 0.01 पर 2.81
   अतः दो स्तर पर प्रेक्षित 'टी' मान सारणी के 'टी' मान से कम हैं अर्थात् सार्थक अंतर नहीं है अर्थात् शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।

8. परिकल्पना – 8

ग्रामीण आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति में सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका क्रमांक 4.35

ग्रामीण आदिवासी एवं गैर आदिवासी छात्रों के सामाजिक आर्थिक स्थिति

छात्र	सामाजिक आर्थिक स्तर	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	'टी' मूल्य	सार्थकता
आदिवासी	मध्यम	8	140.25	26.28	0.490	सार्थक नहीं
गैर आदिवासी	मध्यम	32	148.03	24.38		
आदिवासी	निम्न	9	80.77	14.68	0.6743	सार्थक नहीं
गैर आदिवासी	निम्न	9	84.00	15.42		

1. मध्यम सामाजिक आर्थिक स्तर के लिए स्वतंत्रता की कोटि = 40–2=38 सार्थकता स्तर 0.05 स्तर पर 2.02 तथा 0.01 स्तर पर 2.71 दोनों स्तर पर प्रेक्षित 'टी' मान सारणी के 'टी' मान से कम है अतः सार्थक अंतर नहीं है।
2. निम्न सामाजिक आर्थिक स्तर के लिए स्वतंत्रता की कोटि =18–2=16 सार्थकता स्तर 0.05 पर 2.12 तथा 0.01 पर 2.92 अतः दोनो स्तर पर प्रेक्षित 'टी' मान सारणी के 'टी' मान से कम है अतः शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है।